सफलता की कहानी

कार्य का नामः–	क्रेट वर्क गुआ नाणू, ग्राम पंचायत, सरोल
स्वीकृत वर्षः–	2009.10
स्वीकृत राशिः–	1,00,000
शीर्ष	महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना
लाभार्थी परिवार	35 परिवार

ग्राम पंचायत, सरोल के गांव नाणू जो कि नाले के सथ स्थित है। लगभग गत तीन वर्षों से वहां पर लगातार भूस्खलन हो रहा था जिसके कारण गावं के लोगों को रोज आने जाने का रास्ता व निजि जमीन को भारी नुकसान हो रहा था। यहां तक कि गांव वासियों की एक मात्र जीविका का साधन उपजाउ भूमि भूस्खलन से बरवाद हो रही थी। इस उपरान्त ग्राम सभा में गांववासियों द्वारा उपरोक्त कार्य को करवाने के लिए ग्राम सभा में शैल्फ पारित किया । इस उपरान्त शैल्फ को मध्यनजर रखते हुए खण्ड विकास अधिकारी, चम्बा से अनुदान राशि उपलब्ध करवाने का आगह किया गया। अनुदान राशि स्वीकृत होते ही इस कार्य के लिए गांव वासियों द्वारा आवेदन किए गए। पंचायत द्वारा 15 दिनों मे सभी आवेदनकर्ताओं को उक्त कार्य पर भेजा गया और लगभग दो महिने में इस कार्य को पूर्ण करके लोगों की भूमि व रास्ते व नुकसान होने से वचाया गया। इस कार्य के तहत 35 परिवार लाभान्वित हुए।

अतः हम सभी गांववासी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना को गांव के लिए वरदान मानते हैं।

गांववासी नाणू

ग्राम पंचायत, सरोल

सफलता की कहानी

'एक उम्मीद मनरेगा'

कार्य का नामः–	सिंचाई कुहल कुडकुंई से भटनेरा, ग्राम पंचायत, हरिपुर
स्वीकृत वर्षः–	2009.10
स्वीकृत राशिः–	80,000
शीर्ष	महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना

कई वर्षो से ग्राम पंचायत, हरिपुर के एक छोटे से गांव के लोगों को सिंचाई की समस्या का सामना करनापड रहा था। गांव के लोगों को सिचांई के लिए वर्षा पर निर्भर रहना पडता था। यदि वर्षा ठीक होती तो फसल की पैदीवार ठीक रहती थी लेकिन पर्याप्त वर्षा न होने पर अधिकांश फसल वर्बाद हो जाती थी। जिस कारण गांव के लोगों को पूरे साल भर अनाज की कमी का सामना करना पडता था।

उपरोक्त सिचांई की समस्या से तंग आकर ग्राम सभा हरिपुर ने वर्ष 2009–10 में सिचांई कुहल कुडकुंई से भटनेरा हेतू महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के अर्न्तगत मु0 80000/– रूप्ये की राशि का प्रावधान किया। इसके उपरान्त खण्ड विकास अधिकारी, चम्बा से सिंचाई कुहल कुडकुंई से भटनेरा, हेतू राशि प्राप्त हुई। इस राशि से ग्राम पचांयत हरिपुर ने उपरोक्त कार्य का निर्माण किया।

सिंचाई कुहल कुडकुंई से भटनेरा से ग्रामीणों को खरीफ व रवी की फसल के लिए फायदा हुआ। इसके साथ ही सब्जी उत्पादन के लिए ग्रामीणों को लाभ पहुचां है।

इस प्रकार मनरेगा लोगों की आय बढाने के लिए मील का पत्थर सावित हुआ।

गांववासी भटनेरा
ग्राम पंचायत, हरिपुर
विकास खण्ड, चम्बा।

सफलता की कहानी

ग्राम पंचायत सिंगी विकास खण्ड चम्बा

यह कि ग्राम पंचायत सिंगी में पलगट नामक स्थान पर गांव सिंगी व गांव मिल्हा के 9 परिवारों की कृषि योग्य भूमि है जिस भूमि पर उक्त स्थानीय लोग मुख्यतः मक्की व गेहूं का उत्पादन करते हैं लेकिन उस स्थान पर लगभग 2–3 वर्ष पहले भारी बारिश के कारण जमीन धस गई जिससे गांव मिल्हा के 4 परिवारों की लगभग दो तिहाई कृषि योग्य भूमि पूरी तरह नष्ट हो गई तथा बाकि परिवारों की कृषि योग्य भूमि को भी खतरा उत्पन्न हो गया । जिन परिवारों की भूमि धस गई थी उन्हौंने बाकि बची एक चौथाई भूमि पर खेती करना बन्द कर दिया जिससे उक्त उपजाऊ जमीन बंजर भूमि में तबदील हो गई तथा उक्त स्थान का नाम पलगट धार पड़ गया!

इस हेतु उक्त लोगों ने दिनांक 14/01/2009 को ग्राम सभा की बैठक में उपस्थित होकर ग्राम सभा में प्रस्ताव रखा । इस पर ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि उक्त स्थान पर भूमि बचाव किया जाना आवश्यक है । ग्राम सभा द्वारा उक्त भूमि बचाव के कार्य के लिए वर्ष 2009–2010 के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के अंर्तगत पारित वार्षिक शैल्फ में ***लैण्ड स्लाईड कंट्रोल वर्क पलगट धार*** के नाम से उक्त कार्य को सम्मिलित किया गया जिसके लिए अनुमानित राशि 2,00,000 रुपये रखी गई । दिनांक 17/6/09 के स्वीकृति आदेश संख्या 1278–84 के अंर्तगत इस कार्य के लिए मुबलिक 2,00,000/ रुपये की धनराशि स्वीकृत हुई ।इसके उपरान्त ग्राम पंचायत सिंगी द्वारा खण्ड विकास अधिकारी से उपरोक्त कार्य की मांग की गई जिसके लिऐ खण्ड विकास अधिकारी द्वारा उक्त कार्य के लिए धनराशि ग्राम पंचायत सिंगी को भेजी गई। ग्राम पंचायत सिंगी ने इस कार्य का निर्माण दो मास के भीतर ही पूर्ण कर दिया । इससे उक्त धार में भूमि बचाव के साथ साथ उक्त परिवारों के खेतों का निर्माण भी हो गया जिससे उस जमीन पर उन परिवारों ने फिर से खेती करना शुरु कर दिया है।

इस निर्माण कार्य के लिए उक्त परिवार ***महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना*** को अपने लिए वरदान मानते हैं !

सफलता की कहानी

कार्य का नामः–	केट वर्क गुआ नाला, ग्राम पंचायत, रिण्डा
स्वीकृत वर्षः–	2009.10
स्वीकृत राशिः–	2,00,000
शीर्ष	महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना
लाभार्थी परिवार	42 परिवार

ग्राम पंचायत, रिण्डा के गांव धनेई जो कि नाले के सथ स्थित है। लगभग गत तीन वर्षों से वहां पर लगातार भूस्खलन हो रहा था जिसके कारण गावं के लोगों को रोज आने जाने का रास्ता व निजि जमीन को भारी नुकसान हो रहा था। यहां तक कि गांव वासियों की एक मात्र जीविका का साधन उपजाउ भूमि भूस्खलन से बरवाद हो रही थी। इस उपरान्त ग्राम सभा में गांववासियों द्वारा उपरोक्त कार्य को करवाने के लिए ग्राम सभा में शैल्फ पारित किया । इस उपरान्त शैल्फ को मध्यनजर रखते हुए खण्ड विकास अधिकारी, चम्बा से अनुदान राशि उपलब्ध करवाने का आगह किया गया। अनुदान राशि स्वीकृत होते ही इस कार्य के लिए गांव वासियों द्वारा आवेदन किए गए। पंचायत द्वारा 15 दिनों मे सभी आवेदनकर्ताओं को उक्त कार्य पर भेजा गया और लगभग दो महिने में इस कार्य को पूर्ण करके लोगों की भूमि व रास्ते व नुकसान होने से वचाया गया। इस कार्य के तहत 42 परिवार लाभान्वित हुए।

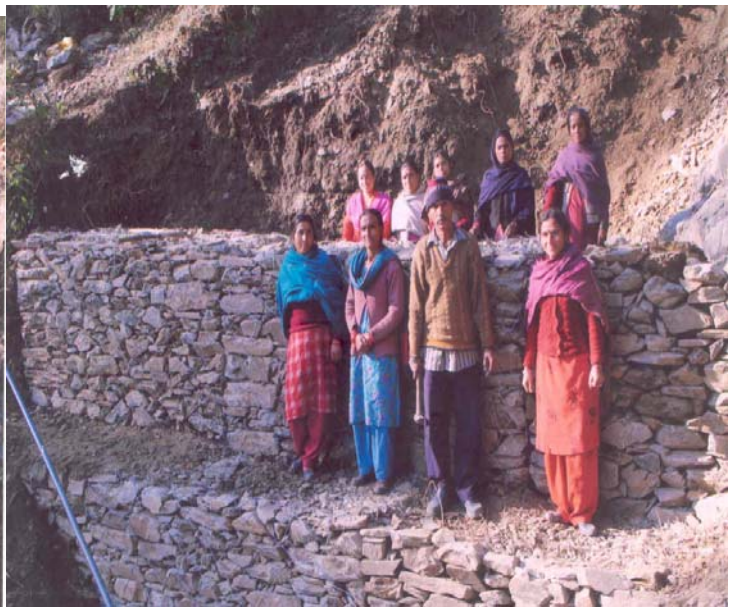

अतः हम सभी गांववासी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना को गांव के लिए वरदान मानते हैं।